वर्ष-11 | अंक-19 | भोपाल, 29 दिसम्बर 2025 से 04 जनवरी 2026 तक

पृष्ठ-12 | RNI NO. MPHIN/2015/63623

साप्ताहिक

न्यूज क्राइम फाइल

मूल्य- 02 रूपये

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

केन्द्रीय मंत्री के मार्गदर्शन में सहकारिता से किसानों की बढ़ा रहे हैं आय : मुख्यमंत्री

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी के सार्वजनिक जीवन में शुचिता और पारदर्शिता रही सर्वोपरि : केन्द्रीय गृह मंत्री शाह

न्यूज क्राइम फाइल

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के सार्वजनिक जीवन में शुचिता और पारदर्शिता का स्थान सर्वोपरि रहा है। उन्होंने कहा कि स्व. वाजपेयी ने सुशासन की स्थापना के लिये अपने कार्यों से नये आयाम स्थापित किये। उन्होंने जो कहा उसे धरातल साकार करके दिखाया। केन्द्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि भारतीय राजनीति में स्व. वाजपेयी का स्थान और योगदान दोनों ही अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी को रीवा से सदैव विशेष लगाव रहा। केन्द्रीय मंत्री श्री शाह रीवा में बसामन मामा गौ वन्य विहार अभयारण्य में प्राकृतिक खेती के प्रकल्प का शुभारंभ कर कृषक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बसामन मामा प्राकृतिक खेती प्रकल्प विंध्य के किसानों के लिये मार्गदर्शक बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संबोधित करते हुये कहा कि केन्द्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री श्री शाह के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश के किसानों की आय को बढ़ाने के लिये राज्य सरकार द्वारा समन्वित तरीके से सतत समग्र प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दूध के उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक किया जायेगा। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री शाह और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हितग्राहियों को हितलाभ एवं संकल्प पत्रों को वितरण किया। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश का रीवा क्षेत्र धीरे-धीरे विकसित क्षेत्र बन रहा है। आज एशिया का सबसे बड़ा सोलर प्लांट रीवा में है। रीवा से जबलपुर तक सड़कों के जाल सहित इंदौर और दिल्ली के लिये वायु सेवा का भी विस्तार हुआ है। अब रीवा एयरपोर्ट से इंदौर और दिल्ली के लिए 24 घंटे हवाई सेवा उपलब्ध है। रीवा में बसावन मामा गौवंश वन्य विहार के रूप में अनुकरणीय प्रकल्प तैयार किया गया है। यहां गोबर से बने खाद से प्राकृतिक खेती की जा रही है। एक एकड़ में सवा लाख रुपए की आय देने का यह प्रयोग छोटे किसानों को बड़ा लाभ प्रदान करेगा। किसान इस मॉडल को अपनाएंगे तो उनकी आय बढ़ेगी। राज्य सरकार प्रगतिशील किसानों को इस परंपरागत मॉडल से अवगत कराने के लिये उनका भ्रमण कराये। उन्होंने कहा कि एक देशी गाय से 21 एकड़ रकबे में प्राकृतिक खेती होती है। किसान ही अन्नदाता है। अन्नदाता को प्राकृतिक खेती के लिये प्रेरित करने के साथ ही प्रोत्साहित करने के समग्र प्रयास हम सबको समन्वित तरीके से करना है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि अनाज के उत्पादन में रासायनिक खाद और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग के कारण कई तरह की बीमारियां बढ़ रही हैं। इससे बचाव के लिये जरूरी है कि हम सभी प्राकृतिक के संवर्धन में अपना योगदान दें।

केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि प्राकृतिक खेती को अपनाने से उत्पादन कम नहीं होता है। मैंने स्वयं अपने खेतों में प्राकृतिक खेती को अपनाया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय के अंतर्गत वृहद स्तर पर प्राकृतिक खेती की उपज के प्रमाणीकरण का कार्य किया जा रहा है। केंद्र सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिये प्राकृतिक खेती के माध्यम से उत्पादित उपज के सर्टिफिकेशन, पैकेजिंग और मार्केटिंग की व्यवस्था की है। आगामी समय में देश में 400 से अधिक प्रयोगशालाएं किसान को प्राकृतिक खेती से संबंधित प्रमाण-पत्र प्रदान करेंगी। इन सभी प्रयासों से प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों की आय डेढ़ गुना तक बढ़ जाएगी। दुनियाभर में प्राकृतिक खेती का बड़ा बाजार है। आर्गेनिक अनाज खाने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है। भूमि परीक्षण से सर्टिफिकेशन, उपज का परीक्षण, बेहतर पैकेजिंग और मार्केटिंग किसानों को उपज का बेहतर मूल्य दिलाएंगी। हम किसानों की आय को बढ़ाने के लिए समुचित प्रयास प्राथमिकता से कर रहे हैं। निदर्शन फॉर्म आने वाले समय में प्राकृतिक खेती के लिए किसानों का मार्गदर्शन करेंगे।

केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि प्रकृति की अनेक प्रकार से सेवा हो सकती है। हमें बसावन मामा की स्मृति में पीपल के वृक्ष रोपित करने का संकल्प लेना चाहिए। दुनिया से चले जाने के बाद भी यह पीपल वृक्ष लोगों को ऑक्सीजन देता रहेगा। पीपल का वृक्ष लगाना पुण्य कार्य है, जिसमें स्वयं भगवान विष्णु का वास होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषकों से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिये बढ़-चढ़कर सहभागिता करने का आहवान किया। उन्होंने बताया कि बसावन मामा गौवंश वन्य विहार के भ्रमण के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री शाह के द्वारा 35 साल पहले गुजरात में जैविक खेती संवर्धन के लिये जानकारी मिली। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय मंत्री श्री शाह के द्वारा 35 साल पहले शुरू किये गये कार्य को राज्य सरकार आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं रखेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह के मार्गदर्शन में सहकारिता के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाई जा रही है। प्रदेश के किसानों की आय को बढ़ाने के लिये उन्हें दुग्ध उत्पादन के लिये भी प्रेरित किया जा रहा है।

गढ़ाकोटा में निर्माणाधीन संदीपनी उच्च माध्यमिक विद्यालय का आज औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण की गुणवत्ता, प्रगति एवं समय-सीमा की विस्तार से समीक्षा की।
गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

भोपाल में निगरानी बदमाश दोनों हाथों में तलवार लेकर युवक को मारने दौड़; वीडियो आया सामने

एक साल पहले जहां तनाव हुआ, वहीं फिर बवाल

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में ठीक एक साल पहले जहांगीराबाद की गल्ला मंडी में दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हुआ था। आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए थे। डीजीपी ने भोपाल पुलिस को जमकर फटकार लगाई थी। पूरी घटना की रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय ने तलब की थी। जिसके बाद आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे, वहीं एक बार फिर निगरानी बदमाश और उसके करीबियों ने जमकर हंगामा किया। दोनों हाथों में तलवार लेकर निगरानी गुंडा हुकम सिंह लोगों को खदेड़ता दिखाई दिया। इससे क्षेत्र में दहशत फैल गई। आरोपी हुकुम और उसके बड़ी संख्या में साथी युवकों को गालियां देते हुए देखा गया। पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आया है। महिलाएं भी लाठी और डंडों से लैस नजर आ रही हैं। पुलिस बल मौके पर है और घटना की तस्दीक कर रहा है। टीआई मान सिंह ने बताया कि वे मौके पर मौजूद हैं और हुकुम की तलाश की जा रही है। सरदार मोहल्ले में एक ही समुदाय के बीच विवाद हुआ है।

जानिए क्यों हुआ था यहां बवाल

स्थानीय लोगों के मुताबिक, पिछले साल तेज बाइक चलाने को लेकर विवाद हुआ था। पांच महिलाएं भी घायल हुई थीं। कई दिन तक हालात तनावपूर्ण रहे थे। एक पक्ष का कहना है कि विवाद की शुरुआत एक रास्ते को बंद करने को लेकर हुई थी। जबकि, दूसरे पक्ष का कहना है कि यहां पर लोग लगातार तेज गाड़ी चलाकर निकलते थे। बच्चे बाहर खेलते हैं, जिससे एक्सीडेंट का डर बना रहता था। इसी के चलते रास्ते को बंद किया गया था।

भोपाल में मंत्री विजयवर्गीय का करीबी बताकर दिव्यांग से ठगी

न्यूज क्राइम फाइल

कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का करीबी बताकर एक युवक ने एक दिव्यांग के साथ बीस हजार रुपए की ठगी कर ली। आरोपी ने नगरीय प्रशासन में नौकरी लगवाने का झांसा दिया था। आरोपी ने स्वयं दिव्यांग को कॉल कर संपर्क किया था। ठग ने अपना परिचय मंत्री का पीए के रूप में दिया। रकम मिलने के बाद आरोपी ने पीड़ित का कॉल पिक करना बंद कर दिया। फरियादी की ओर से थाना हबीबगंज में शिकायत कर दी गई है। पुलिस जांच कर रही है।

पसंद के जिले में तैनाती का भरोसा दिया

पीड़ित शिव कुमार ठाकरे सिवनी का रहने वाले हैं। वह दिव्यांग हैं, उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर उनकी पहचान दीपक कुर्मी नाम के व्यक्ति से हुई थी। आरोपी ने स्वयं को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का करीबी बताया था। जब शिव कुमार ने जॉब दिलाने की बात कही तो आरोपी ने भरोसा दिलाया कि वह उसकी नौकरी नगरीय प्रशासन विभाग में लगवा देगा। किसी पसंद के जिले में तैनाती भी करा देगा। इसके लिए आरोपी ने बीस हजार रुपए की मांग की।

रकम मिलते ही ब्लॉक कर दिया

पीड़ित ने आरोपी को रकम अपनी बहन से उधार लेकर दी। दो बार में दस-दस हजार रुपए कर ऑन लाइन ट्रांसफर किए। पैसा खाते में पहुंचते ही आरोपी ने फरियादी का कॉल उठाना बंद कर दिया। इतना ही नहीं उसके नंबर को भी ब्लॉक कर दिया। दूसरे नंबर से कॉल करने पर भी अभद्रता करता है। तब पीड़ित ने भोपाल आकर आरोपी के खिलाफ शिकायत की।

सक्सेस की तलाश में नर्मदापुरम से भोपाल आई थी युवती

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में एनेस्थीसिया का ओवरडोज लेकर सुसाइड करने वाली मेघा यादव पांच साल पहले सक्सेस की चाह में नर्मदापुरम से भोपाल आई थी। मजदूर पिता ने बमुश्किल उसे पढ़ाया था। वह परिवार के लिए कुछ करना चाहती थी। भोपाल से उसने बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई की और यहीं जेके अस्पताल में नर्स बन गई। बड़े शहर में आने के बाद मेघा लाउंज और रेस्टोरेंट में जाने आने लगी। कोलार में ही हुक्का लाउंज और कैफे का संचालन करने वाले रूपेश के संपर्क में आई मेघा रूपेश से प्यार करने लगी। दोनों की मुलाकात कैफे में हुई। आरोपी ने जल्द शादी करने का भरोसा दिलाया और उसके साथ लिव इन में रहने लगा। करीब चार साल तक मेघा और रूपेश साथ रहे, अचानक रूपेश ने मेघा से तमाम रिलेशन खत्म कर दिए। बीते एक महीने से वह मेघा को नजरअंदाज कर रहा था। उसका कॉल पिक नहीं करता था, मिलने को भी राजी नहीं था। प्यार में अचानक धोखा

मेघा यादव, मृतक

मिलने के बाद मेघा टूट गई थी। लिहाजा उसने सुसाइड कर लिया। इससे पहले उसने रूपेश से कॉल पर बात की थी। मेघा का मोबाइल फोन पुलिस ने जब्त कर लिया है। जिसका परीक्षण कराया जाएगा। मेघा के रूम से पुलिस को इंजेक्शन और सीरिंज मिली है। इसे भी परीक्षण के लिए भेजा गया है। परिजनों के कथन के आधार पर पुलिस रूपेश के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी में है। मृतका की पीएम रिपोर्ट भी पुलिस को अभी नहीं मिल सकी है।

रूपेश ने कहा था परिजन राजी नहीं

मृतका के भाई राजा यादव ने बताया कि इसी साल मार्च महीने में रूपेश बड़ी बहन मेघा को लेकर उनके गांव आया था। जहां उसने मां-पिता से बात की और मेघा से शादी करने की मंशा जाहिर की। परिवार ने मेघा से पूछा और उसकी खुशी के लिए शादी के लिए हामी भर दी। सब ठीक चल रहा है। करीब एक महीने पहले रूपेश ने मेघा से शादी करने से इनकार कर दिया। उसने मेघा को बताया कि इंटरकास्ट मैरिज के लिए परिजन राजी नहीं है। लिहाजा वह उससे शादी नहीं कर सकता। अपना सब कुछ रूपेश को सौंप चुकी मेघा ने उसे मनाने का प्रयास किया लेकिन रूपेश ने उसको अपनाने से साफ इनकार कर दिया।

आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र नायकों की अमूल्य विरासत और आदर्शों को आत्मसात करने की प्रेरणा देगा राष्ट्र प्रेरणा स्थल
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

अयोध्या बायपास-एनजीटी के आदेश से पहले ही आधे पेड़ काटे

नगर निगम के जरिए एनएचएआई ने कटवाए पेड़; अगली सुनवाई में तय होगा बाकी का भविष्य

न्यूज क्राइम फाइल

नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल (एनजीटी) के आदेश से पहले ही एनएचएआई ने नगर निगम के जरिए अयोध्या बायपास किनारे के आधे पेड़ कटवा दिए। पेड़ काटने में निगम ने भी इतनी तेजी से दिलचस्पी दिखाई कि दिन-रात कटाई में अमला झोंक दिया। अब पर्यावरण से जुड़े लोग पेड़ों को बचाने के लिए बड़ा आंदोलन करने की रणनीति बना रहे हैं। उन्होंने साफ कहा कि पेड़ों पर आरी चलाने वालों पर एफआईआर हो। दूसरी ओर, बाकी बचे पेड़ों का भविष्य 8 जनवरी को होने वाली एनजीटी की सुनवाई पर है। बता दें कि एनएचएआई (नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया) भोपाल के अयोध्या बायपास को आसाराम चौराहा से रत्नागिरि तिराहे तक 836.91 करोड़ रुपए से 10 लेन में बदल रहा है। यह 16 किलोमीटर लंबा है। यह सेंट्रल का प्रोजेक्ट है। पिछले साल दिसंबर में अयोध्या बायपास के चौड़ीकरण के टेंडर समेत अन्य प्रक्रिया पूरी होने के बाद एनएचएआई ने पेड़ काटने की सभी सरकारी अनुमति भी लेना थी, क्योंकि बायपास चौड़ीकरण का काम करने वाली एजेंसी और एनएचएआई के बीच जो एग्रीमेंट हुआ है, उसके अनुसार पेड़ कटाई जैसी सरकारी अनुमतियां दिलाना एनएचएआई की जिम्मेदारी ही है। इस साल 11 अगस्त तक पेड़ कटाई की अनुमति मिलने और फिर काम शुरू होना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसी बीच पेड़ कटाई का मामला एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल) में चला गया था। फिर एक अन्य मामले में एनजीटी ने आदेश दे दिया कि शहरों में कहीं भी 25 से अधिक पेड़ काटने की अनुमति हाई लेवल कमेटी देगी।

इतना तेज काम...अनुमति मिली और आरी चलाना शुरू कर दिया

इसके बाद नगरीय विकास विभाग के एसीएस संजय शुक्ला की अध्यक्षता में हाई लेवल कमेटी का गठन हो गया। कमेटी की तीसरी मीटिंग में पेड़ काटने की मंजूरी दी गई। हरियाली को उजाड़ने के लिए हरी झंडी मिलते ही 21 दिसंबर से पेड़ों की कटाई शुरू कर दी गई। 22 दिसंबर को कटाई का दौर जारी रहा तो याचिकाकर्ता नितिन सक्सेना ने फिर से एनजीटी का दरवाजा खटखटाया, लेकिन 24 दिसंबर की दोपहर तक पेड़ काटने का दौर जारी रहा। इसी बीच एनजीटी ने पेड़ों की कटाई को 8 जनवरी तक रोकने के आदेश दिए, लेकिन तब तक एनएचएआई आधे से ज्यादा पेड़ कटवा चुका था। अब बाकी पेड़ों को बचाने के लिए पर्यावरणविद् ने मुहिम छेड़ दी है। गुरुवार को उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नाराजगी भी जताई थी। पर्यावरणविद् सुभाष सी. पांडे, उमाशंकर तिवारी, याचिकाकर्ता नितिन सक्सेना, सुयश कुलश्रेष्ठ, राशिद नूर समेत अन्य लोगों ने कहा कि पेड़ों को काटकर एनएचएआई हरियाली उजाड़ रही है। 10 लेन सड़क के बदले एनएचएआई एलिवेटेड प्रोजेक्ट पर काम कर सकता था, या फिर 10 की बजाय सिक्सलेन बनाने पर जोर दें। जिन पेड़ों को एनएचएआई नगर निगम के जरिए काट रहा है, उनकी उम्र 40 से 80 साल तक है।

एनएचएआई का दावा-सभी रिपोर्ट पेश की

एनजीटी के 8 जनवरी तक के रोक वाले आदेश पर एनएचएआई का भी अपना तर्क है। एनएचएआई सूत्रों का कहना है कि पेड़ों को कटाने के मामले में कमेटी की रिपोर्ट पेश कर दी, लेकिन एनजीटी ने वह नहीं देखी। इस वजह से रोक लगी है। अगली सुनवाई में यह रिपोर्ट पेश करेंगे। दूसरी ओर, 7871 के बदले 81 हजार पौधे लगाने का दावा भी है।

कांग्रेसी भी कर चुके प्रदर्शन

बता दें कि सोमवार को अयोध्या बायपास पर कई पेड़ों को काटने की कार्रवाई की गई थी। इसका कांग्रेस ने भी विरोध किया था। एनएचएआई ठेकेदार के जरिए पेड़ कटवा रहा है। मौके पर पहुंचे कांग्रेस नेता अभिनव बरोलिया ने कार्रवाई का विरोध जताया। साथ ही इसे तुरंत रोकने की मांग की। अगले दिन मंगलवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, रविंद्र साहू झूमरवाला समेत कई कांग्रेसियों ने मास्क पहनकर विरोध प्रदर्शन किया था।

सिविल ठेकेदार की मौत; दूसरी कार में सवार 2 गंभीर घायल, हादसे की जांच में जुटी पुलिस

कोलार में दो कारों की आमने-सामने भिड़ंत

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के कोलार में गेहूं खेड़ा से नीलबड़ की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित छोटे पुल पर गुरुवार रात गंभीर हादसा हो गया। दो कारों की आमने-सामने से हुई जोरदार भिड़ंत के बाद एक सिविल ठेकेदार की मौत हो गई, जबकि दूसरी कर में सवार दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक 42 वर्षीय अब्दुल रशीद खान पिता नाथू खान फेस-1 कोलार के रहने वाले थे। सिविल कांट्रैक्टरशिप करते थे। गुरुवार रात डी मार्ट के पीछे से होते हुए गेहूं खेड़ा वाले मार्ग से रातीबड़ के लिए जा रहे थे। छोटे पुल पर पहुंचते ही सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी कर को जोरदार टक्कर मार दी। दूसरी कर में तीन युक्तियां और दो युवक सवार थे जबकि, अब्दुल रशीद अपनी कर में अकेले थे।

हादसे के बाद केबिन में फंसे रहे

हादसे के बाद अब्दुल रशीद गाड़ी के डैश बोर्ड और सीट के बीच में फंसे रहे। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। किसी तरह से उन्हें बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया गया। जहां देर रात उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। हमीदिया हॉस्पिटल में बॉडी का पीएम कराया जा रहा है। मामले में कोलार पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

बेटे का आरोप- नशे में धुत्त थे दूसरी कार में सवार लोग

मृतक के बेटे रेहान का आरोप है की दूसरी कार में सवार तीन युवती और दो युवक नशे में थे। उनकी कार में शराब की खाली बोतलें सहित डिस्पोजल ग्लास भी रखे थे। हादसे के समय उनकी गाड़ी तेज रफ्तार में थी। जिससे टक्कर होते ही उनके कार के एयरबैग भी खुल गए थे। वहीं पुलिस का कहना है की दूसरी कर में सवार दो लोगों को गंभीर चोटें आई हैं उनका भी उपचार अस्पताल में जारी है। हादसे की सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। जांच के बाद ही हादसे के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

आज भाजपा प्रदेश कार्यालय, भोपाल में मुख्यमंत्री @DrMohanYadavzv जी के साथ पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 101वीं जयंती के अवसर पर उनके जीवन चरित्र पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया।
हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा मप्र, विधायक- बैतूल

आलेख

राव की सोच की बुनियाद पर भारत बना चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था

पामुलपार्थी वेंकट नरसिंह राव...यही पूरा नाम था उनका। आज ही के दिन ठीक इक्कीस साल पहले उन्होंने दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आखिरी सांस ली थी, जिसे देश के सबसे बेहतरीन सार्वजनिक अस्पताल माना जाता है। एम्स के नाम से विख्यात इस अस्पताल में जब उनकी आत्मा उनके शरीर रूपी पिंजरे से उड़ गई, तब देश में उन डॉक्टर मनमोहन सिंह का शासन था, जिन्हें उन्होंने ही राजनीति की दुनिया में प्रवेश कराया था। राव कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण और गरिमापूर्ण विदाई के हकदार थे। लेकिन उनकी ही पार्टी ने उन्हें यह विदाई मयस्सर नहीं होने दी और देश का प्रधानमंत्री भी मौन व्रत धारण किए रह गया। नेहरू, इंदिरा और राजीव को भारत रत्न देने वाली कांग्रेस की अगुआई वाली सरकार ने अपने ही उस राव को उचित सम्मान देना उचित नहीं समझा, जिसके वे अध्यक्ष रह चुके थे। भारतीय अर्थव्यवस्था की उछाल इन दिनों दुनिया देख रही है। लेकिन पिछली सदी के अस्सी के दशक में अर्थव्यवस्था बेहद खराब हालत में पहुंच चुकी थी। हालात इतने बुरे थे कि भारत को अपना रिजर्व सोना बैंक ऑफ इंगलैंड के पास गिरवी रखना पड़ा था। राव से ठीक पहले प्रधानमंत्री रहे चंद्रशेखर ने अपनी आत्मकथा, ' जीवन जैसा जिया' में इस गिरवी प्रकरण की पूरी जानकारी दी है। चंद्रशेखर के बाद एक्सीडेंटल प्रधानमंत्री बने राव के सामने तत्कालीन कैबिनेट सचिव ने भारतीय अर्थव्यवस्था की बुरी गत की जानकारी दी तो उनका चिंतित होना स्वाभाविक था। ऐसे हालात में उनका विचलित होना स्वाभाविक था। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और प्रोफेशनल

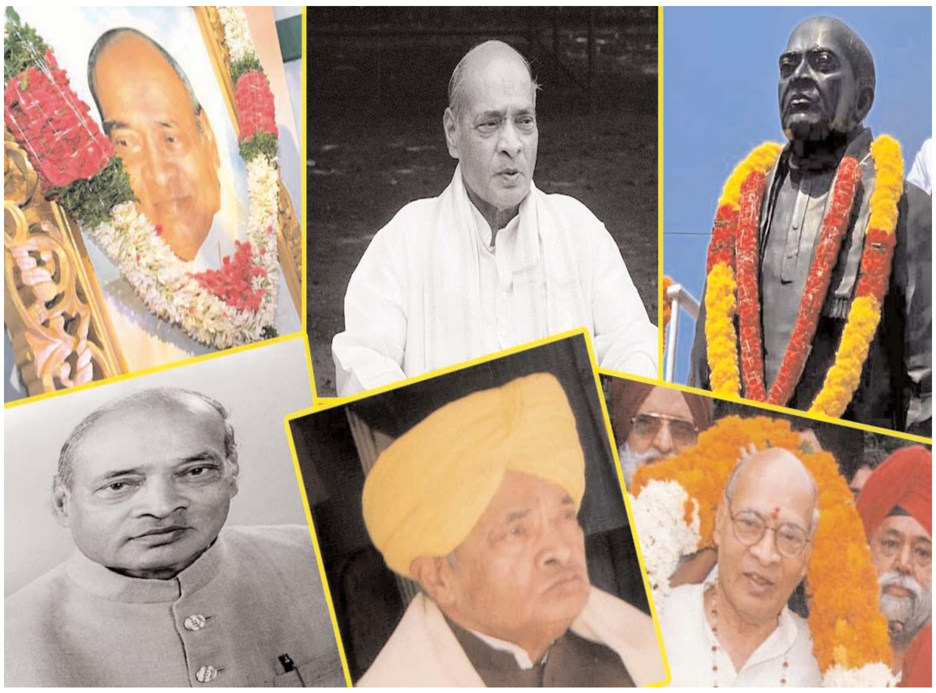

अर्थशास्त्री को देश का वित्त मंत्री बनाने की सोची। उन्हें तब दो नाम सुझाए गए थे, रिजर्व बैंक के गवर्नर रह चुके आईजी पटेल और मनमोहन सिंह। राव की पहली पसंद पटेल थे, लेकिन उन्होंने अपनी बीमार और बुजुर्ग मां की देखभाल के चलते वह जिम्मेदारी भरा पद लेना स्वीकार नहीं किया। नियति मनमोहन सिंह के पक्ष में थी। मनमोहन वित्त मंत्री बने। 1991 की 25 जुलाई को लोकसभा में बजट पेश करते हुए मनमोहन सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था को खोल दिया। आर्थिक मोर्चे पर जारी लाइसेंस राज की विदाई की शुरूआत हुई। आर्थिक खुलेपन ने देश की आर्थिकी की जो नींव रखी, आज उसी नींव पर आगे बढ़ते हुए देश दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था का गौरव हासिल कर चुका है। बेशक यह सब मनमोहन सिंह की बदौलत हुआ। लेकिन अगर उनकी पीठ पर नरसिंह राव का हाथ नहीं होता तो क्या वे भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक व्यवस्था के साथ कदमताल करने के लिए उद्यत हो सकते थे? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। भारत की आर्थिकी को मजबूत बुनियाद देने के साथ ही वैश्विक व्यवस्था के साथ कदमताल के लिए तैयार करने में मनमोहन सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। लेकिन बिना नरसिंह राव के मजबूत समर्थन के, वे ऐसे कदम नहीं उठा सकते थे। आज भारत की आर्थिकी की जो वैश्विक चमक दिख रही है, उसके असर नींव निर्माता नरसिंह राव ही हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश जिस कांग्रेस के वे नेता रहे, जिस कांग्रेस क साथ उन्होंने अपनी समूची राजनीतिक यात्रा पूरी की, उस कांग्रेस ने उनसे किनारा कर लिया। किनारा करने की वजह रहा बाबरी विध्वंस। छह दिसंबर 1992 को बाबरी का ध्वंस हुआ। ऐसा नहीं कि नरसिंह राव ने ध्वंस को रोकने की तैयारी नहीं की थी। गांधी-नेहरू परिवार के नजदीकी रहे पूर्व विदेश सेवा अधिकारी और कांग्रेसी राजनेता मणिशंकर अय्यर राव को इसी वजह से भाजपा का पहला प्रधानमंत्री कहते हैं। बाबरी विध्वंस के बाद वामपंथी बौद्धिकों के एक खेमे ने उन्हें खाकी निक्कर वाला कहना शुरू कर दिया था। यहां याद दिलाना जरूरी है कि खाकी निक्कर कुछ साल पहले तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों की गणवेश होती थी। लेकिन नरसिंह राव ने अपने उपर लगे आरोपों का पुस्तक लिखकर जवाब दिया है. जो 2004 में उनके निधन के बाद प्रकाशित हुई है। 'अयोध्या- छह दिसंबर' नामक यह पुस्तक साल 2006 में प्रकाशित हुई। इस किताब में एक तरह से राव ने बाबरी ध्वंस को लेकर उन पर लगने वाले अकर्मण्यता के आरोपों का सिलसिलेवार जवाब दिया है। इसमें उन्होंने बाबरी मस्जिद विध्वंस के दिन और उससे पहले की घटनाओं, अपनी कार्रवाइयों और तब के राजनीतिक दबावों को लेकर पूरी जानकारी दी है। इसमें उन्होंने बताया है कि आखिर उत्तर प्रदेश में वे संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन क्यों नहीं लगा पाए। उन्होंने बताया है कि राज्यपाल की रिपोर्ट राष्ट्रपति शासन के पक्ष में नहीं थी और उनके सामने कई संवैधानिक चुनौतियां और बाधाएं भी थीं।

संपादकीय

अरावली की चिन्ताः नारे से आगे, अस्तित्व की लड़ाई

अरावली पर्वत शृंखला की नई परिभाषा को लेकर उठा विवाद अब जन-आन्दोलन का रूप ले रहा है। इसी के अन्तर्गत अरावली बचाओ की चिन्ता-यह केवल भावनात्मक आह्वान नहीं, बल्कि भारत के पर्यावरणीय भविष्य की जीवनरेखा है। गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली अरावली पर्वतमाला पृथ्वी की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह पर्वत केवल पत्थरों का ढेर नहीं, बल्कि जल, जंगल, जैव-विविधता, जलवायु संतुलन और मानव जीवन के लिए एक प्राकृतिक कवच है। आज जब खनन, शहरीकरण और विकास की आड़ में इस पर्वतमाला को टुकड़ों में बांटने की कोशिशें हो रही हैं, तब यह प्रश्न केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि मनुष्य जाति के अस्तित्व का बन गया है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि अरावली को लेकर सरकारों की चिन्ता व्यर्थ न जाये, कोई सकारात्मक रंग लाए। पहाड़ी इलाकों के खनन, उपेक्षा एवं लोभवृत्ति पर विचार करना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारों की उपेक्षा की वजह से अरावली के बड़े हिस्से का खनन ही नहीं हुआ, आमजन एवं प्रकृति-पर्यावरण रक्षा का यह कवच ध्वस्त भी हुआ है। अरावली की आयु भूगर्भीय दृष्टि से करोड़ों वर्षों में आंकी जाती है। यह हिमालय से भी पुरानी है। यही कारण है कि अरावली का स्वरूप अपेक्षाकृत निचला और क्षरित दिखाई देता है, किंतु इसका महत्व कहीं अधिक गहरा है। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली के बड़े हिस्सों में वर्षा जल का संचयन, भूजल रिचार्ज और मरुस्थलीकरण पर नियंत्रण अरावली के कारण ही संभव है। थार मरुस्थल को पूर्व की ओर बढ़ने से रोकने में अरावली की भूमिका किसी अदृश्य दीवार की तरह है। आज के समय में पर्यावरणीय संकट बहुआयामी हो चुका है-जल संकट, वायु प्रदूषण, जैव-विविधता का क्षय, जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित शहरी विस्तार। इन सभी चुनौतियों का एक साझा समाधान अरावली जैसी प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण है। दुर्भाग्यवश, खनन और निर्माण गतिविधियों ने इस पर्वतमाला को गहरे घाव दिए हैं। पत्थर, संगमरमर और अन्य खनिजों के लिए की जा रही अंधाधुंध खुदाई ने न केवल पहाड़ों को खोखला किया है, बल्कि आसपास के गांवों, नदियों और जंगलों को भी संकट में डाल दिया है। लगातार संकट से घिर रही अरावली को बचाने के लिये एक याचिका 1985 से न्यायालय में विचाराधीन है। हालांकि इस याचिका का ही नतीजा है कि अरावली का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा संरक्षित श्रेणी में आता है। वैसे अब समय आ गया है कि अरावली को पूरी तरह से खनन-मुक्त रखने का फैसला किया जाये। अब भी खनन जारी रहा तो उससे होने वाले लाभ से कई गुणा ज्यादा कीमत हमें पर्यावरण के मोर्चे पर चुकानी पड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर टिप्पणियां की हैं। न्यायालय का दृष्टिकोण स्पष्ट रहा है कि पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगनी चाहिए और विकास के नाम पर प्रकृति के विनाश को वैधता नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद, विभिन्न स्तरों पर नियमों की व्याख्या और पुनर्व्याख्या के जरिए खनन को अनुमति देने के प्रयास होते रहे हैं। विशेष रूप से 100 मीटर ऊंचाई जैसे मानदंडों के आधार पर पर्वतों को परिभाषित करना और उससे नीचे की संरचनाओं को खनन योग्य मानना एक खतरनाक प्रवृत्ति है। यह तर्क न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से कमजोर है, बल्कि पर्यावरणीय समझ के भी विपरीत है। खनन की वजह से अरावली की छलनी हो चुकी है।

आज अमित शाह जी ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान से ज्यादा ऊर्जा के साथ मोहन यादव मध्य प्रदेश को आगे बढ़ाने का काम कर रहे है।
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

चौथी शादी से चर्चा में पूर्व मंत्री

बीजेपी बोली- दीपक जोशी प्राथमिक सदस्य भी नहीं

6 मई 2023, कांग्रेस में शामिल

न्यूज क्राइम फाइल

महिला कांग्रेस की पूर्व प्रदेश सचिव पल्लवी राज सक्सेना से 4 दिसंबर को शादी के बाद चर्चा में आए पूर्व मंत्री दीपक जोशी से भाजपा ने दूरी बना ली है। भाजपा संगठन ने कहा है कि दीपक जोशी की पार्टी में वापसी नहीं हुई है। वे प्राथमिक सदस्य भी नहीं हैं। दीपक जोशी ने 6 मई 2023 को भाजपा छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया था। इसके बाद उन्होंने देवास जिले की खातेगांव विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। चुनाव हारने के बाद बुधनी विधानसभा उपचुनाव के दौरान उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में मंच से भाजपा में घर वापसी का ऐलान किया था। अब बीजेपी ने दीपक की शादियों को लेकर विवाद के बीच देवास के भाजपा जिला अध्यक्ष राय सिंह सेंधव और बीजेपी के प्रदेश महामंत्री व कार्यालय प्रभारी रहे भगवानदास सबनानी ने कहा कि दीपक की बीजेपी में वापसी नहीं हुई है। सेंधव ने कहा- दीपक कांग्रेस में चले गए थे। किसी आम सभा में शिवराज जी ने उन्हें दुपट्टा पहनाया होगा, लेकिन जब हमारे तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और हितानंद जी थे उस समय सदस्यता ग्रहण नहीं की थी।

11 मार्च को टल गई थी बीजेपी में वापसी

पिछले साल लोकसभा चुनाव के दौरान 11 मार्च को दीपक जोशी की बीजेपी में वापसी होने वाली थी। उन्होंने दैनिक भास्कर से फोन पर कहा था मैं तो सुबह का भूला हूं, शाम को घर लौट रहा हूं। पार्टी ने 11:30 बजे तक भोपाल कार्यालय पहुंचने को बोला है, लेकिन इसके बाद बीजेपी में उनकी वापसी नहीं हो पाई।

पुलिसकर्मी से विवाद करने वाले इन्फ्लुएंसर ने मांगी माफी

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर के हीरानगर क्षेत्र में मंगलवार रात पुलिसकर्मी से विवाद करने वाले इन्फ्लुएंसर सोनू उर्फ पंकज वर्मा और उनके साथी शुक्रवार को क्राइम ब्रांच कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने एडीशनल डीसीपी के सामने माफी मांगी। इस दौरान विवाद में शामिल उनके दो अन्य इन्फ्लुएंसर साथी भी मौजूद थे। इसके बाद सभी को हीरानगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एडीशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के कार्यालय में इन्फ्लुएंसर सोनू वर्मा, आदित्य वैष्णव और उनके साथी पहुंचे। उन्होंने सामूहिक रूप से माफी मांगते हुए कहा कि उनसे गलती हो गई थी। गुस्से में आकर उन्होंने हीरानगर के पुलिसकर्मी से बहस की और बदतमीजी कर बैठे। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस ने उन्हें पूरा सहयोग दिया है और भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। इस पर एडीशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने उन्हें समझाइश देते हुए कहा कि वे समाज के सामने एक अच्छा चेहरा पेश करते हैं, इसलिए भविष्य में न तो इस तरह का कंटेंट बनाएं और न ही ऐसी गलतियां दोहराएं। सोनू के साथ आए अन्य इन्फ्लुएंसर आदित्य वैष्णव ने भी इस मामले में माफी मांगी। इसके बाद एडीशनल डीसीपी ने सोनू वर्मा और उसके साथियों को हीरानगर पुलिस के सुपुर्द करने के निर्देश दिए, जहां पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी कर ली।

हेड कांस्टेबल से की थी बदसलूकी, थप्पड़ मारने की दी थी धमकी

सोनू वर्मा और आदित्य वैष्णव ने मंगलवार रात स्कीम नंबर 136 स्थित 'द जंगल कैफे' के पास हेड कांस्टेबल गोरख खेम से बदसलूकी की थी। दोनों ने अपना रुतबा दिखाते हुए पुलिसकर्मी को थप्पड़ मारने की धमकी दी थी और उससे माफी मांगने का दबाव भी बनाया था। हेड कांस्टेबल डायल 112 के पॉइंट पर ड्यूटी पर तैनात था। इस दौरान सोनू और उसके साथियों ने कार में बैठे एक घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाने से भी रोका। अगले दिन वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सोनू और उसके साथियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज किया गया। गौरतलब है कि सोनू वर्मा के खिलाफ लसूड़िया थाने में गांजा पीने का एक मामला पहले से दर्ज है।

नरोत्तम मिश्रा का शायरी करते वीडियो वायरल: विपक्ष पर तंज, बोले- जिनकी चड्डियां फटी, वे हमारी टोपियां उछाल रहे

न्यूज क्राइम फाइल

मध्य प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह शायराना अंदाज में कुछ पंक्तियां कहते हुए नजर आ रहे हैं, जो अब चर्चा का विषय बन गई हैं। वायरल वीडियो में नरोत्तम मिश्रा कहते सुनाई दे रहे हैं, %वह समंदर खंगालने में लगे हुए हैं, हमारी कमियां निकालने में लगे हुए हैं। जिनकी अपनी चड्डियां तक फटी हुई हैं, वह हमारी टोपियां उछालने में लगे हुए हैं।% उनकी यह टिप्पणी राजनीतिक गलियारों में खूब सुर्खियां बटोर रही है। हालांकि यह वीडियो बुधवार शाम का बताया जा रहा है, उस समय नरोत्तम मिश्रा ग्वालियर रेलवे स्टेशन से ट्रेन द्वारा भोपाल के लिए रवाना हो रहे थे। ट्रेन के गेट पर खड़े होकर उन्होंने यह शायरी सुनाई थी। वहीं मौजूद एक युवक ने इस घटना का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। बाद में शुक्रवार दोपहर को यह वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया। जिसके बाद से यह लगातार वायरल हो रहा है। पूर्व गृहमंत्री का यह शायराना अंदाज और उनके द्वारा कही गई बातें अब सोशल मीडिया पर बहस का मुद्दा बनी हुई हैं।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
वजाहत खान (प्रबंधक सपांदक) 07999252366
email: newscrimefile@yahoo.com

आज ग्वालियर और रीवा में आयोजित कार्यक्रमों ने मध्यप्रदेश की प्रगति यात्रा को नई ऊर्जा व गति प्रदान की है।
मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

पेरेंट्स बोले- स्कूल में प्रताड़ित किया

होमवर्क नहीं किया तो बच्चों के कपड़े उतार दिए

न्यूज क्राइम फाइल

सीहोर के एक प्राइवेट स्कूल पर बच्चों को प्रताड़ित करने के आरोप लगे हैं। पेरेंट्स का कहना है कि होमवर्क नहीं करने पर बच्चों के कपड़े उतरवाकर ठंड में खड़ा किया जाता है। बच्चों से मैदान की सफाई से लेकर झाड़ू लगवाने और पेड़-पौधों में पानी डालने के काम कराए जाते हैं। मामला जताखेड़ा स्थित सेंट एंजेल स्कूल का है। शिकायत मिलने पर जिला शिक्षा अधिकारी (ष्ठश्वह्) ने शुक्रवार को स्कूल प्रिंसिपल और ड्राइवर को हटा दिया है। स्कूल पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

बजरंग दल ने किया था प्रदर्शन

शुक्रवार को बजरंग दल और विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता ग्रामीणों और पेरेंट्स के साथ स्कूल पहुंचे थे। यहां उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। शिक्षा विभाग के अधिकारी भी जांच के लिए पहुंचे। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों से अलग-अलग बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल की प्रिंसिपल और ड्राइवर को तत्काल प्रभाव से हटाने के आदेश दिए और स्कूल पर आर्थिक दंड लगाया। मंडी पुलिस को भी शिकायत पत्र सौंपा गया है। पुलिस अधिकारियों ने मामले की जांच कर वैधानिक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। प्रशासन और पुलिस की ओर से कार्रवाई के भरोसे के बाद प्रदर्शन कर रहे लोग शांत हुए।

विदिशा में ओटीपी से साइबर ठगी

न्यूज क्राइम फाइल

विदिशा में साइबर ठगी का एक मामला सामने आया है। आरएमपी नगर निवासी हलकेश बघेल के बैंक खाते से दो दिनों में 46,600 रुपए निकाल लिए गए। ठगों ने उनके मोबाइल पर लगातार ओटीपी भेजे, जिससे वह परेशान हो गए। हलकेश बघेल को लगातार ओटीपी मैसेज आने से परेशानी हुई। उन्होंने पहले मोबाइल साइलेंट किया और फिर अधिक मैसेज आने पर फ्लाइट मोड पर डाल दिया। बाद में जब उन्होंने अपना बैंक खाता चेक किया, तो पता चला कि उनके खाते में 46,600 रुपए की जगह केवल 451 रुपए बचे थे। हलकेश बघेल एक प्राइवेट गाड़ी ड्राइवर हैं और अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनके दो बेटे हैं, जिनकी उम्र 19 और 10 साल है और वे पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने अपने मकान के ऊपरी हिस्से में निर्माण कार्य के लिए ये पैसे बचाकर रखे थे, जो साइबर ठगों ने उड़ा लिए। बैंक स्टेटमेंट के अनुसार, 23 दिसंबर को उनके खाते से 1 रुपए का लेनदेन हुआ, जिस पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। 24 दिसंबर को अचानक 34,770 रुपए और फिर 11,437 रुपए निकाले गए। 25 दिसंबर को 34,770 रुपए खाते में वापस आए, लेकिन कुछ ही देर बाद 29,625 रुपए और 5,086 रुपए फिर से काट लिए गए। इन सभी लेन-देन के बाद उनके खाते में मात्र 451 रुपए शेष रह गए। घटना की जानकारी मिलते ही हलकेश बघेल ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो गया है और मामले की जांच की जा रही है।

कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीर बाल दिवस पर गुरुद्वारा हमीदिया में माथा टेका और शबद कीर्तन सुने।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल हमारे देश की महान विभूतियों के जीवन, उनके आदर्शों और अमूल्य विरासत को समर्पित एक प्रेरणादायी स्मारक है। आज सुशासन दिवस पर लखनऊ में इसका लोकार्पण कर अपार गौरव और आत्मिक संतोष की अनुभूति हुई।
प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

रोहित शर्मा जीरो पर आउट; रिंकू सिंह ने यूपी से शतक लगाया

विजय हजारे ट्रॉफी में कोहली का 29 गेंदों में अर्धशतक

न्यूज क्राइम फाइल

विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी में शुक्रवार को दिल्ली की ओर से खेलते हुए 29 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया। गुजरात के खिलाफ उन्होंने 61 बॉल पर 77 रन बनाए। दूसरी ओर, जयपुर में ग्रुप-सी के मैच में मुंबई के रोहित शर्मा उत्तराखंड के खिलाफ पहली ही गेंद पर आउट हो गए। वहीं उत्तर प्रदेश के कप्तान रिंकू सिंह ने चंडीगढ़ के खिलाफ 60 बॉल पर 106 रन बनाए। बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जा रहे ग्रुप-डी के मुकाबले में गुजरात ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। दिल्ली की शुरुआत लड़खड़ाई और ओपनर प्रियांश आर्या सिर्फ 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद विराट कोहली ने 11 चौके और एक छक्का जड़ते हुए 61 गेंदों पर 77 रन बनाए और दिल्ली को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। मिडिल ऑर्डर में ऋषभ पंत ने भी अहम योगदान दिया। पंत ने 79 गेंदों पर 70 रन की पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। हर्ष त्यागी ने 47 गेंदों पर 40 रन बनाकर स्कोर को आगे बढ़ाया। इन पारियों की

बदौलत दिल्ली ने 9 विकेट के नुकसान पर 254 रन बनाए।

रोहित शर्मा पहली गेंद पर आउट जयपुर में खेले जा रहे ग्रुप-सी के मुकाबले में उत्तराखंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग चुनी। इस मैच में रोहित शर्मा पारी की पहली ही गेंद पर आउट हो गए। उत्तराखंड के खिलाफ मुंबई ने 50 ओवर में सात विकेट पर 331 रन बनाए। मुशीर खान और सरफराज खान ने 55-55 रन बनाए। वहीं, हार्दिक तोमरे ने 82 गेंदों में नाबाद 93 रन की पारी खेली। यूपी ने चंडीगढ़ को 368 रन का टारगेट दिया राजकोट में चल रहे ग्रुप-बी के मैच में चंडीगढ़ ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। यूपी ने रिंकू सिंह और आर्यन जुयाल के शतक के सहारे 50 ओवर में 4 विकेट पर 367 रन बना लिए। रिंकू ने 60 बॉल पर नाबाद 106 रन बनाए। जबकि आर्यन ने 118 बॉल पर 134 रन बनाए। तरणप्रीत सिंह को दो विकेट मिले। वैभव बाल पुरस्कार लेने दिल्ली पहुंचे 14 साल के युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी मणिपुर के खिलाफ रांची में खेले जा रहे मैच में नहीं खेल सके। वे दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार लेने गए हुए थे। इसी वजह से वह टीम के साथ मौजूद नहीं हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार बच्चों को दिया जाने वाला देश का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान है। यह पुरस्कार मिलना वैभव सूर्यवंशी के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। गिल-अभिषेक टीम में नहीं शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा आज जयपुर में छत्तीसगढ़ के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में नहीं खेल रहे हैं। पंजाब की कप्तानी प्रभसिमरन सिंह कर रहे हैं। टीम में सलील अरोड़ा, नमन धीर और रमनदीप सिंह शामिल हैं।

आज से रेल यात्रा महंगी हुई

भोपाल से दिल्ली के लिए 16 ज्यादा लगेंगे; पहले से बुक ट्रेन टिकट पर एक्स्ट्रा चार्ज नहीं

न्यूज क्राइम फाइल

आज से रेल यात्रा महंगी हो गई है। क्योंकि रेलवे ने प्रति किलोमीटर 2 पैसे के हिसाब से किराया बढ़ा दिया है। नए बदलाव के बाद अगर आप 215 किलोमीटर से ज्यादा का सफर करने के लिए टिकट बुक कर रहे हैं तो आपको बढ़ी हुई कीमत पर ही टिकट मिलेगा। इस हिसाब से अगर आप 1000 किलोमीटर दूरी के लिए टिकट बुक कर रहे हैं, तो आपको 20 रुपए एक्स्ट्रा देने होंगे। वहीं, अगर आपने आज यानी 26 दिसंबर के पहले टिकट बुक कर लिया है, तो आपको कोई एक्स्ट्रा चार्ज नहीं देना होगा ना ही आपके टिकट पर रिवाइज किराया दिखेगा। आज या आज के बाद ञ्ञ्ञश्व से यात्रा के दौरान ट्रेन या स्टेशन पर टिकट बनवाने पर भी बढ़ा हुआ किराया लगेगा।

डेली पास और कम दूरी के लिए नहीं बढ़ा है किराया

215 किलोमीटर से कम दूरी की यात्रा करने वालों और मंथली सीजन टिकट होल्डर्स (पास) के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। रेलवे का अनुमान है कि इस बदलाव से उसे सालाना 600 करोड़ रुपए की अतिरिक्त कमाई होगी। रेलवे ने इसकी घोषणा 21 दिसंबर को की थी।

छोटे रूट और सीजन टिकट वालों को राहत

रेलवे ने छोटे रूट पर यात्रा करने वाले करोड़ों यात्रियों को राहत दी है। 215 किलोमीटर से कम के सफर पर किराए में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। इसका मतलब है कि कम दूरी की यात्राएं पहले की तरह ही सस्ती बनी रहेंगी। इसके अलावा, रोजाना सफर करने वाले यात्रियों के लिए भी राहत की खबर है। रेलवे ने सब-अर्बन (उपनगरीय) ट्रेनों और मंथली सीजन टिकट (स्नस्ञ्) की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई जैसे शहरों में लोकल ट्रेनों से सफर करने वाले लाखों यात्रियों पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा। रेल मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, यह किराया बढ़ोतरी ऑपरेशनल कॉस्ट (परिचालन लागत) में हो रही वृद्धि और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स को फंड करने के लिए जरूरी है।

लोकसेवा व राष्ट्ररक्षा के प्रतीक श्रद्धेय अटल जी को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन।
केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

भोपाल मेट्रो का मैन्युवल टिकट सिस्टम फेल...हंगामा

काउंटर से 80 टिकट देने से मना किया; यात्री बोले-क्या टिकट देने में 6 घंटे लगते हैं?

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल मेट्रो के कमर्शियल रन शुरू हुए 5 दिन बीत चुके हैं, लेकिन टिकट सिस्टम में कोई सुधार नहीं हुआ है। यात्रियों को मैन्युवल टिकट मिल रहे हैं। इसी सिस्टम की वजह से गुरुवार को एम्स मेट्रो स्टेशन पर हंगामे जैसी स्थिति भी बन गई। दरअसल, काउंटर से एक साथ 80 टिकट देने से मना करने पर लोग नाराज हो गए। उनका कहना था कि क्या इतने टिकट देने में मेट्रो को 6 घंटे चाहिए? इसे लेकर उन्होंने मेट्रो कॉरपोरेशन के अफसरों से भी शिकायत की है। जैन समाज का ग्रुप यात्रा करने पहुंचा था।

दोपहर 1.30 बजे जैन समाज के करीब 80 लोग एम्स स्टेशन पर पहुंचे। ताकि, मेट्रो का सफर कर सके। जैसे ही वे टिकट काउंटर पर पहुंचे, उन्हें एक साथ 80 टिकट देने से मना कर दिया। काउंटर पर मौजूद कर्मचारियों का कहना था कि 30 मिनट में वे 80 टिकट नहीं दे सकते।

साकेत नगर निवासी संजय जैन, आलोक शर्मा समेत कई लोगों ने आपत्ति ली। उन्होंने कहा कि टिकट काउंटर ही आधे घंटे पहले खुलता है। ऐसे में क्या हम शाम 4 बजे मेट्रो का सफर करने के लिए सुबह 10 बजे आए? शिकायतकर्ता जैन ने बताया कि बड़ी उम्मीद से पूरा ग्रुप सफर करने के लिए मेट्रो स्टेशन पहुंचा था, लेकिन सिस्टम की खामी की वजह से उन्हें टिकट नहीं मिल पाई। जिससे सफर कैंसिल कर दिया। एकसाथ इतने लोग मेट्रो में सफर करके लोगों को पर्यावरण का संदेश भी देना चाहते थे। इसकी शिकायत की है।

यात्रियों में बच्चे और बुजुर्ग भी थे

जैन समाज के 80 लोगों के ग्रुप में कई बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल थे। सभी पहली बार मेट्रो में सफर करने पहुंचे थे, लेकिन टिकट नहीं मिलने से वे सफर नहीं कर सके।

मेट्रो ने रखा अपना पक्ष, कहा-10 से 15 मिनट पहले पहुंचे यात्री

एम्स स्टेशन पर बनी हंगामे की स्थिति के बाद मेट्रो कॉरपोरेशन ने भी अपना पक्ष रखा है। मेट्रो की तरफ से कहा गया है कि टिकटिंग मैन्युअल रूप से की जा रही है और कोई ग्रुप टिकट जारी नहीं किया जा रहा है। जिसे लेकर मेट्रो प्रशासन ने अनुरोध किया है कि टिकट काउंटर पर किसी भी भीड़ या असुविधा से बचने के लिए यात्री अपनी यात्रा से 10-15 मिनट पहले स्टेशन पर पहुंचें। यदि आप एक ही ग्रुप में 15-20 से ज्यादा यात्री एक ही ट्रेन में सफर करना चाहते हैं तो ट्रेन निकलने से कम से कम 20 मिनट पहले काउंटर पर पहुंचकर अपना टिकट सुनिश्चित कर लें। हालांकि, जैन समाज के ग्रुप का कहना है कि वह आधा घंटा पहले ही स्टेशन पहुंच गया था।

सांसद खेल महोत्सव के बाद 6 महिला खिलाड़ी बीमार: सभी खिलाड़ी कटनी अस्पताल में भर्ती; आयोजकों पर दूषित भोजन परोसने का आरोप

न्यूज क्राइम फाइल

पन्ना जिला मुख्यालय में आयोजित सांसद खेल महोत्सव के समापन समारोह के बाद कटनी जिले की छह महिला खिलाड़ी बीमार पड़ गई। गुरुवार देर शाम हुई इस घटना के बाद सभी खिलाड़ियों को कटनी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, कटनी जिले से लगभग 40-50 खिलाड़ी पन्ना में आयोजित प्रतियोगिता में शामिल होने गए थे। कबड्डी खिलाड़ी साहिब खान ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान एक साथी की तबीयत बिगड़ी थी, जिसका इलाज पन्ना में ही कराया गया। हालांकि, जब टीम बस से कटनी के लिए रवाना हुई, तो रास्ते में अन्य खिलाड़ियों की हालत भी बिगड़ने लगी। उन्हें उल्टी और पेट दर्द की शिकायत हुई, जिसके बाद उन्हें सीधे कटनी जिला अस्पताल ले जाया गया।

आयोजकों पर खराब भोजन परोसने का आरोप

प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ी मुस्कान सिंह ने आयोजकों पर अव्यवस्था और खराब भोजन परोसने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि सुबह पूरी-सब्जी और शाम को दाल-चावल खाने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी थी। बीमार खिलाड़ियों में सविता सिंह, शिवानी साहू, साक्षी चौधरी, कंचन चौधरी, महक बर्मन और रुक्मणी शामिल हैं। ये सभी कटनी जिले के रीठी तहसील क्षेत्र की निवासी हैं।

डॉक्टर बोले-ठंड और अधिक शारीरिक थकान से बिगड़ी तबीयत

कटनी जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. यशवंत वर्मा ने जानकारी दी कि अस्पताल पहुंचते ही बच्चों का तत्काल इलाज शुरू कर दिया गया। उन्होंने फूड पॉइजनिंग की संभावना से इनकार करते हुए कहा कि खेल के दौरान अत्यधिक शारीरिक थकान और बढ़ती ठंड के कारण भी खिलाड़ियों की तबीयत बिगड़ सकती है। फिलहाल, सभी खिलाड़ियों की स्थिति स्थिर है और वे डॉक्टरों की निगरानी में हैं।

विवादों के घेरे में महोत्सव- नेताओं पर अभद्रता का आरोप

यह आयोजन न केवल स्वास्थ्य संबंधी लापरवाही बल्कि अनुशासनहीनता के लिए भी चर्चा में रहा। कटनी के खिलाड़ियों ने बुधवार को स्थानीय भाजपा नेताओं पर बदसलूकी के आरोप लगाए थे। सुधांशु तिवारी और ऋषभ सोनी का आरोप है था की प्रतियोगिता में भेदभाव किया जा रहा था विरोध करने पर भाजपा नेता मृगेंद्र गहिरवार और कमल लालवानी ने उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और धक्का-मुक्की की थी। मामले को लेकर युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मोहम्मद इसराइल ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, सांसद खेल महोत्सव में पहले तो भाजपा नेताओं ने कटनी के युवाओं को अपमानित किया और अब बच्चियों को जहरीला खाना परोसा गया है। यह खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और सम्मान के साथ खिलवाड़ है,जिसकी जांच होनी चाहिए।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल हमारे देश की महान विभूतियों के जीवन, उनके आदर्शों और अमूल्य विरासत को समर्पित एक प्रेरणादायी स्मारक है। आज सुशासन दिवस पर लखनऊ में इसका लोकार्पण कर अपार गौरव और आत्मिक संतोष की अनुभूति हुई।

रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

152 किमी तक पीछा कर 1.8 करोड़ का गांजा पकड़ा

एमपी-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर एसटीएफ की कार्रवाई; न्यू ईयर पार्टी में कई राज्यों में होती खपत

न्यूज क्राइम फाइल

न्यू ईयर से पहले अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एसटीएफ ने उड़ीसा से मध्यप्रदेश लाई जा रही गांजे की बड़ी खेप पकड़ी है। कार्रवाई के दौरान 599 किलो गांजा बरामद किया गया, जिसकी बाजार कीमत करीब 1 करोड़ 80 लाख रुपए बताई जा रही है। इस मामले में गुरुवार को पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। बुधवार सुबह करीब 11 बजे एसटीएफ एसपी राजेश सिंह भदौरिया को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक ट्रक में गांजा उड़ीसा से छत्तीसगढ़ होते हुए मध्यप्रदेश लाया जा रहा है। सूचना मिलते ही उन्होंने एसटीएफ डीजी पंकज श्रीवास्तव को जानकारी दी। डीजी के निर्देश पर तुरंत दो टीमों का गठन कर छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश सीमा पर निगरानी बढ़ा दी गई।

152 किलोमीटर तक किया ट्रक का पीछा

सूचना मिलते ही जबलपुर एसटीएफ की टीम गठित की गई, जिसकी कमान डीएसपी संतोष तिवारी को सौंपी गई। टीम को एमपी-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर तैनात किया गया। एसटीएफ टीम छत्तीसगढ़ के बिलासपुर क्षेत्र में जंगलों में डटी रही। उड़ीसा से आ रहा ट्रक जैसे ही बिलासपुर पहुंचा, एसटीएफ की टीम ने करीब 152 किलोमीटर तक उसका पीछा किया।

खाली दिखाकर पुलिस को किया गुमराह

आमतौर पर माल से भरा ट्रक चारों ओर से बंद रहता है, लेकिन तस्करों ने पुलिस को गुमराह करने के लिए ट्रक को पीछे से खाली दिखाया था। मुखबिर से मिले ट्रक नंबर के आधार पर निगरानी की जा रही थी। पीछे से ट्रक खाली नजर आने पर एसटीएफ की एक टीम को भ्रम हुआ, जिसका फायदा उठाकर ट्रक चालक मुख्य मार्ग छोड़कर गांव की सड़कों से आगे बढ़ गया।

जेसीबी लगाकर रोका गया ट्रक

हालांकि डीएसपी संतोष तिवारी की दूसरी टीम लगातार ट्रक के पीछे लगी रही। कई बार ट्रक जंगल में रुकता रहा, जहां टीम ने छिपकर निगरानी की। जैसे ही ट्रक छत्तीसगढ़ सीमा पार कर मध्यप्रदेश में दाखिल हुआ, अनूपपुर जिले के जैतहरी थाना क्षेत्र के घने जंगल मार्ग में सड़क पर जेसीबी लगाकर ट्रक को रोका गया।

ट्रक खाली है, भाड़ा नहीं मिला

ट्रक रोकने पर उसमें दो व्यक्ति सवार मिले। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम अंकित विश्वकर्मा निवासी सीधी और धनंजय सिंह पटेल निवासी सतना बताया। उन्होंने दावा किया कि वे झारखंड गए थे, लेकिन भाड़ा नहीं मिलने के कारण खाली ट्रक लेकर लौट रहे हैं। जब एसटीएफ ने ट्रक मालिक के बारे में पूछा तो दोनों घबरा गए। तलाशी के दौरान ट्रक के पीछे बने गुप्त चैंबर से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। आरोपियों ने बताया कि गांजा तस्करी के लिए ट्रक को विशेष रूप से तैयार कराया गया था। पहले सेकेंड हैंड ट्रक खरीदा गया और फिर बॉडी मेकर से खास डिजाइन बनवाई गई। ड्राइवर के केबिन के पीछे करीब दो मीटर तक लोहे की चादर से गुप्त केबिन बनाया गया था, जबकि बाकी हिस्सा खुला रखा गया था ताकि ट्रक खाली दिखाई दे। एसटीएफ एसपी के मुताबिक गांजा मैहर में डंप किया जाना था, जहां से महाकौशल, बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के अलग-अलग जिलों में सप्लाई की योजना थी। न्यू ईयर के दौरान इसे खपाने की तैयारी थी।

इंदौर में देर रात युवक की चाकू मारकर हत्या

बचाव करने आए दोस्त पर भी हमला, शराब दुकान के पास हुआ था विवाद

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर के आजाद नगर क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घायल अवस्था में उसके दोस्त उसे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, विवाद शराब दुकान के पास घूरकर देखने की बात को लेकर हुआ था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

टीआई लोकेश भदौरिया के अनुसार, मृतक का नाम नीरज उर्फ निर्भय पुत्र मांगीलाल गंगराडे, निवासी हिम्मत नगर पालदा है। वह मजदूरी करता था। लाल पेट्रोल पंप के पास उस पर हमला किया गया। दोस्त उसे गंभीर हालत में रात करीब दो बजे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे। सूचना मिलने पर डीसीपी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, नीरज का दिन में तीन नाबालिगों से विवाद हुआ था। इसके बाद रात में उन्होंने अचानक हमला किया। इस दौरान नीरज का दोस्त रितेश बघेल भी मौजूद था। उसने नीरज का बचाव किया तो आरोपियों ने रितेश पर भी चाकू से हमला किया। रात में रितेश ही नीरज को अस्पताल लेकर आया था।

अभी जिन तीन नाबालिगों की पहचान हुई है, उसमें दो 16 साल के और एक 15 साल का है। पुलिस इस मामले में तीनों नाबालिगों और उनके साथियों की तलाश कर रही है।

क्या एक गैंगरेप पीड़िता के साथ ऐसा व्यवहार उचित है क्या उसकी गलती ये है कि वो न्याय के लिए अपनी आवाज़ उठाने की हिम्मत कर रही है?
नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

एक साल में 13 करोड़ से अधिक के आभूषण मिले, 1अरब से अधिक का दान आया

महाकाल मंदिर में आस्था और दान दोनों में उछाल

न्यूज क्राइम फाइल

महाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की आस्था और दान दोनों में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। देश-विदेश से आने वाले भक्त अब पहले से कहीं अधिक संख्या में भगवान महाकाल के दर्शन कर रहे हैं और दिल खोलकर दान भी कर रहे हैं। महाकाल लोक बनने से पहले मंदिर में प्रतिदिन 40 से 50 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते थे, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर रोजाना करीब डेढ़ से दो लाख श्रद्धालुओं तक पहुंच गई है। बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालु सोना-चांदी के साथ-साथ नगदी भी दान कर रहे हैं। महाकाल मंदिर में बीते 11 महीनों में 5.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। इस दौरान भक्तों ने करीब 13 करोड़ रुपए मूल्य का सोना-चांदी दान किया है, जबकि नकद दान के रूप में 43 करोड़ 43 लाख रुपए मंदिर समिति को प्राप्त हुए हैं। इस वर्ष 1 जनवरी से 15 दिसंबर तक कुल 5.5 करोड़ श्रद्धालु महाकाल मंदिर दर्शन के लिए पहुंचे। मंदिर परिसर में विभिन्न स्थानों पर लगी दान पेटियों से महाकाल मंदिर समिति को 43 करोड़ 43 लाख रुपए का दान प्राप्त हुआ है। वहीं शीघ्र दर्शन व्यवस्था से मंदिर समिति को करीब 64 करोड़ 50 लाख रुपए की आय हुई है। पिछले वर्ष 2024 में भेंट पेटी और शीघ्र

दर्शन से महाकाल मंदिर को कुल 92 करोड़ रुपए की आय हुई थी। इस वर्ष, पिछले साल की तुलना में करीब 15 करोड़ रुपए अधिक दान भगवान महाकाल को प्राप्त हुआ है।

एक अरब 7 करोड़ दान पेटी और शीघ्र दर्शन से आय

इस बार भेंट पेटी और शीघ्र दर्शन से महाकाल मंदिर को 11 माह 15 दिन में 107 करोड़ 93 लाख रुपए की आय हुई है। अभी 15 दिन शेष हैं जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के महाकाल मंदिर पहुंचने की उम्मीद है। महाकाल मंदिर में अन्य स्त्रोतों से होने वाली आय जैसे भस्म आरती बुकिंग,अभिषेक पूजन की आय, अन्न क्षेत्र से आय, धर्मशाला बुकिंग आय,फोटोग्राफी मासिक शुल्क आय, भांग एवं ध्वजा बुकिंग से आय,उज्जैन दर्शन बस सेवा से होने वाली आय शामिल नहीं।

13 करोड़ से अधिक के आभूषण दान आए

महाकाल मंदिर में एक जनवरी 2025 से लेकर पंद्रह दिसंबर 2025 तक के बीच में श्रद्धालुओं ने 592.366 किग्रा चांदी और 1483.621 ग्राम सोना बाबा महाकाल को दान किया है। दान आए आभूषणों में सोने की कीमत करीब 1 करोड़ 82 लाख रुपए तो चांदी की कीमत 11 करोड़ 85 लाख रुपए के आसपास है। महाकाल मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं ने एक वर्ष से भी कम समय में 13 करोड़ रुपए से अधिक के तो सिर्फ आभूषण ही दान कर दिए।

पिछले वर्ष की तुलना में 193 किलो चांदी अधिक

भक्तों ने वर्ष 2024 में इस वर्ष की तुलना में सोना अधिक दान किया था। इस वर्ष चांदी पिछले वर्ष की तुलना में अधिक दान में मिली है। साल 2024 में 1 जनवरी से 13 दिसंबर 2024 तक भक्तों ने 399 किलो चांदी और 1533 ग्राम सोना बाबा महाकाल को दान किया था। हालांकि पिछले वर्ष और इस वर्ष सोने और चांदी की कीमत में काफी अंतर आने से बाबा महाकाल को मिलने वाले दान की कीमत में करीब 10 करोड़ रुपए का अंतर आ गया। साल 2024 में 64 किलो आभूषण ऐसे थे जो दानपेटी से निकले थे, जिसमें हीरे की अंगूठी, कीमती घड़ी, डॉलर सहित अन्य देशों की मुद्रा भी शामिल थे। वर्ष 2025 खत्म होने को है इससे पहले महाकाल मंदिर से मिले आंकड़ों को देखें तो सामान्य दिनों में मंदिर दर्शन के रोजाना 1.20 लाख श्रद्धालु आ रहे हैं। वीक एंड में डेढ़ से पौने दो लाख श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं। महाकाल मंदिर के सहायक प्रशासक आशीष फलवाड़िया ने बताया कि एक जनवरी से दिसंबर माह के शुरुआत तक मंदिर में अब तक पांच करोड़ पचास लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच चुके है।

शादी के 7 महीने बाद ही लगाई फांसी; भाई बोला- ससुराल वाले आलू-प्याज तक मांगते थे

सुसाइड नोट में लिखा- सास, पति को माफ नहीं करूंगी

न्यूज क्राइम फाइल

मऊगंज में 24 साल की नवविवाहिता करुणा द्विवेदी ने फांसी लगा ली। 24 दिसंबर की सुबह घर के कमरे में उसका शव फंदे पर मिला। करुणा ने 10 पेज के सुसाइड नोट में पति और सास को मौत का जिम्मेदार ठहराया है। लिखा है- रोज-रोज की प्रताड़ना से परेशान हो चुकी हूं। मां, बेटे को कभी माफ नहीं करूंगी। करुणा की शादी 8 मई 2025 को बधैया भलुहा गांव के रहने वाले शिवम मिश्रा से हुई थी। दैनिक भास्कर ने करुणा के भाई कुलदीप से बात की। उसने कहा- शादी के 15 दिन बाद ही ससुराल वाले दहेज को लेकर परेशान करने लगे थे। यहां तक कि आलू प्याज की भी डिमांड करते थे। एक महीने पहले ही

करुणा मायके आई थी, उसने कहा था कि अब वापस नहीं जाऊंगी।

जिसे सुख-दुख का साथी माना, उसी ने धोखा दिया

करुणा ने सुसाइड नोट में लिखा- मैंने आज खुद को खत्म करने का सोचा है। पहले भी कई बार कोशिश की, लेकिन नहीं हो सका। मैं अपना दुख किसी को बताना चाहती थी, लेकिन क्या करूं आपबीती सुनाने के लिए कोई मिला ही नहीं। पति को सुख-दुख का साथी माना था, लेकिन अफसोस उसी ने मजाक बना दिया। समझ आया कि संत महात्मा क्यों कहते हैं कि कोई अपना नहीं होता। कोई रिश्ता-नाता नहीं होता, लेकिन फिर यह क्यों कहते हैं कि पति परमेश्वर होता है। जब पति कुछ न समझे, अपनापन न दिखाए, सिर्फ अपना सुख देखे...बात-बात पर झगड़ा करे, गाली दे तो फिर उस पति को क्या कहते हैं? ऐसे में पत्नी को कहां जाना चाहिए? क्या करना चाहिए? क्या सुसाइड ही बेस्ट ऑप्शन है? मैं पूछती हूं, क्यों मुझे हर जगह गलत ठहराया गया? पति मुझसे कहते हैं कि तुम्हारे अंदर अकड़ बहुत है। तुमने मां-बेटे को अलग किया। चूल्हा बंटवा दिया।

भारतीय संस्कृति के जीवंत संवाहक एवं ज्ञान-परंपरा के प्रमुख केन्द्र काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक, महान शिक्षाविद् एवं स्वाधीनता संग्राम के अग्रणी सेनानी, 'भारत रत्न' महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण नमन।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

फांसी के फंदे पर मिले मां-दो बेटों के शव

दरवाजा खुला हुआ था, खेत से पति लौटा तो घटना का पता चला

न्यूज़ क्राइम फाइल

सागर में मां और दो बेटों के शव फांसी के फंदे पर लटके मिले। महिला का पति और जेठ खेत से घर लौटे तो घटना का पता चला। घटना गुरुवार रात रहली के मैनाई गांव की है। मृतक रचना के जेठ ब्रजेश लोधी ने बताया कि वह और उसका छोटा भाई राजेश (रचना का पति) खेत में सिंचाई करने गए थे। रात करीब पौने 10 बजे वे घर लौटे। दोनों अपने-अपने कमरों की तरफ गए ही थे कि अचानक राजेश के चिल्लाने की आवाज आई। ब्रजेश दौड़कर भाई के कमरे में पहुंचा तो देखा कि बहू रचना (32), भतीजा ऋषभ (5) और छोटा भतीजा राम (2) अलग-अलग फंदे पर लटके हुए थे।

फंदे काटकर नीचे उतारा

भाईयों ने आनन-फानन में रस्सियां काटकर तीनों को नीचे उतारा, लेकिन तब तक तीनों की सांसें थम चुकी थीं। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। बताया जा रहा है कि दरवाजा भी खुला हुआ था। यह हत्या है या आत्महत्या अभी इसकी जांच की जा रही है।

सब अपने कमरों में थे, तभी हुई घटना

रचना के पति राजेश लोधी तीन भाई हैं। राजेश सबसे छोटा है। बड़े भाई देवेंद्र लोधी की मौत हो चुकी है। उनकी पत्नी, एक बेटा और तीन बेटियां साथ रहती हैं। मंझले भाई ब्रजेश लोधी अपनी पत्नी, एक बेटा और एक बेटी भी साथ रहते हैं। मां प्रयागरानी भी साथ घर में रहती हैं। पिता गोपीसिंग लोधी खेत पर बने मकान में रहते हैं। घटना के समय राजेश और भाई ब्रजेश लोधी खेत पर थे। परिवार के अन्य सदस्य अपने-अपने कमरों में सो रहे थे। रचना अपने दोनों बेटों के साथ खाना खाकर घर के काम पूरे कर अपने कमरे में चली गई थी।

FSL टीम ने जुटाए सबूत

सूचना मिलते ही रहली पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल (फॉरेंसिक) टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटना स्थल से साक्ष्य जुटाए। शुक्रवार दोपहर रहली अस्पताल में तीनों शवों का पोस्टमॉर्टम कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रहली थाना प्रभारी सुनील शर्मा ने बताया कि मैनाई गांव में महिला ने अपने दो बच्चों के साथ फांसी लगाकर सुसाइड किया है। शवों का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। मामला दर्ज कर आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। मामले में परिवार के बयान लिए जाएंगे, जिसके बाद ही कारण सामने आ सकेगा।

पेट्रोल की बोतल फेंकने वाली महिला जयश्री की जेठानी

देवास में दंपती के आत्मदाह में नया मोड़, सरस्वती बोली- मैं तो बचाने गई थी, वह मेरी बच्ची जैसी

न्यूज़ क्राइम फाइल

देवास के दंपती संतोष और जयश्री व्यास के आत्मदाह मामले में नया मोड़ आ गया है। घटना से जुड़ा एक और वीडियो सामने आने के बाद पूरे मामले को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। फिलहाल, जयश्री व्यास की हालत गंभीर बनी हुई है और इंदौर में उनका इलाज चल रहा है। दरअसल, सतवास के पहले सामने आए वीडियो में एक महिला दंपती पर बोतल में भरा पदार्थ फेंकती नजर आ रही थी, जिसके बाद आग भड़क उठी। अब उसी घटना का दूसरा एंगल सामने आया है, जिसमें साफ दिख रहा है कि यह महिला कोई और नहीं, बल्कि जयश्री की जेठानी सरस्वती व्यास हैं। वीडियो सामने आने के बाद सरस्वती व्यास ने पूरे मामले पर खुलकर अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि जयश्री मेरी बच्ची जैसी है। मैं तो दोनों को बचाने गई थी।

गुरुवार को सरस्वती व्यास पति धर्मेंद्र व्यास सहित अन्य रिश्तेदारों के साथ इंदौर में एडमिट

देवर-देवरानी की हालत जानने पहुंची। उन्होंने खुद से जुड़े पूरे घटनाक्रम को बताया। कहा कि मेरे कुछ पल को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। पहले वीडियो में संतोष और जयश्री व्यास तहसीलदार अरविंद दिवाकर से बहस करते हुए माचिस की तीली जलाने की कोशिश कर रहे हैं, तभी एक महिला (जेठानी सरस्वती) जमीन पर पड़ी बोतल में रखा पदार्थ फेंकती है और अचानक आग लग जाती है। दूसरा वीडियो 51 सेकंड का है। इसमें जेसीबी मशीन, तहसीलदार, प्रशासनिक टीम और बड़ी संख्या में मौजूद भीड़ दिखाई दे रही है। टीम कार्रवाई कर रही है। आगे के हिस्से में व्यास दंपती और तहसीलदार अरविंद दिवाकर में बहस हो रही है। इस दौरान भीड़ में एक पुलिसकर्मी भी दिखाई देता है। फिर दंपती हताश होकर जेसीबी के दूसरे हिस्से के पास पहुंच जाते हैं।

अगले ही पल दोनों के हाथों में पेट्रोल से भरी बोतल दिखाई देती है। जयश्री कहती है कि ये देखो। फिर खुद पर काफी पेट्रोल छिड़कती है। इस दौरान कुछ पेट्रोल पति संतोष के स्वेटर के अगले हिस्से में गिरता है, तभी संतोष माचिस से तीली जलाने की कोशिश करते हैं और जयश्री जलने के लिए आगे बढ़ती है। लोग उनकी ओर चिल्लाते हुए आगे बढ़ते हैं कि ऐसा नहीं करें। इस दौरान दंपती के सामने अन्य लोगों के साथ एक महिला (जेठानी सरस्वती) आगे बढ़ती है। उसे ठीक दंपती के सामने जमीन पर पड़ी बोतल दिखाई देती है (वही बोतल जो पेट्रोल छिड़कने के बाद जयश्री ने फेंकी थी। सरस्वती यह बोतल उठाकर सबसे आगे आती दिखाई रही है और तुरंत उनकी ओर उठाकर फेंक देती है।

श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी करोड़ों भारतीयों के हृदय के हार हैं। उनकी जयंती के पावन अवसर पर आज आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती में अटल जी की प्रतिमा के अनावरण का सौभाग्य मिला।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

संतुलित विकास के क्षेत्रीय निवेश सम्मेलनों की श्रंखला की शुरूआत को बताया दूरदर्शी

मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश के चहुँमुखी विकास की रखी सशक्त नींव : केन्द्रीय गृह मंत्री

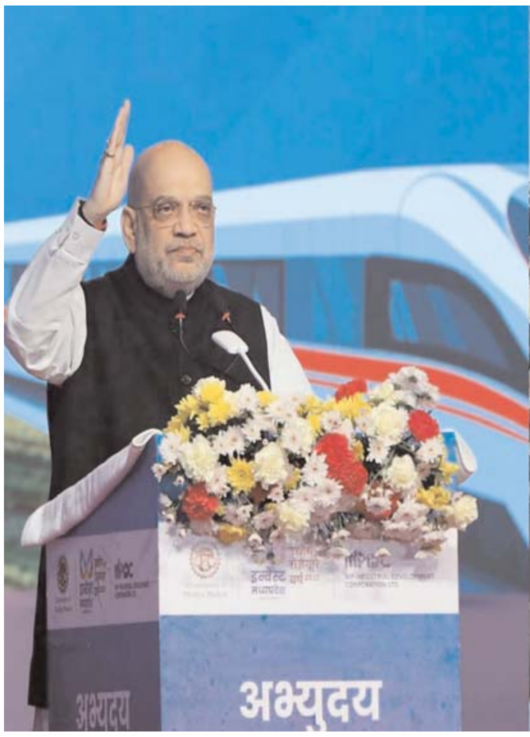

न्यूज क्राइम फाइल

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मप्र के संतुलित विकास के क्षेत्रीय निवेश सम्मेलनों की श्रंखला आयोजित करने की शुरूआत को दूरदर्शी बताया है। उन्होने कहा कि यह ऐसी शुरूआत श्री नरेन्द्र मोदी जी ने गुजरात के लिये की थी। 'वाइब्रेंट गुजरात' के नाम से इंडस्ट्रियल समिट आयोजित करने की एक वैज्ञानिक और व्यवस्थित शुरुआत उन्होंने की। इसमें राज्य की राजधानी में बड़े स्तर पर इंडस्ट्रियल समिट आयोजित होते थे और राज्य में व्यापक निवेश आता था। डॉ. यादव ने क्षेत्रीय इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से मध्यप्रदेश के चहुँमुखी विकास की एक मजबूत नींव रखी है।

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती परग्वालियर में 'अभुदय = मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट' में अपने संबोधन मेंकेन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने क्लस्टर इन्वेंस्टमेंट पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं डॉ. मोहन यादव को बधाई देना चाहता हूँ कि उन्होंने राज्य के संतुलित विकास के लिए 'क्षेत्रीय निवेश कॉन्क्लेव' की एक नई और दूरदर्शी शुरुआत की है। मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में कॉन्क्लेव आयोजित करने और निवेश के भूमिपूजन का जो सिलसिला उन्होंने शुरू किया है, वह आने वाले समय में राज्य के संतुलित विकास के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

आज जो 2 लाख करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है, वह देखने में भले ही छोटा लगे, लेकिन किसी एक क्षेत्र के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। किसी क्षेत्र की जनता के लिए यह निवेश अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यदि राज्य का संतुलित विकास नहीं होता, तो राज्य आगे नहीं बढ़ सकता, क्योंकि हर क्षेत्र में अपार संभावनाएँ छिपी होती हैं।जैसे मालवा, ग्वालियर और चंबल क्षेत्र में कपास लंबे समय से किसानों की प्रमुख फसल रही है, लेकिन उन्हें उसका उचित मूल्य नहीं मिल पाता था। अब पीएम मित्र पार्क के आने से पारंपरिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ा है और कपास फिर से किसानों के लिए एक लाभकारी फसल बन गई है। मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी विशेषता उसका भौगोलिक लोकेशन है। यहाँ से पूरे देश के आधे हिस्से तक बहुत कम ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट में आपूर्ति संभव है। लेकिन इस भौगोलिक लाभ का शत-प्रतिशत उपयोग तभी संभव है, जब राज्य में सिमेंट्रिक इंडस्ट्री विकसित की जाए। दक्षिण से जुड़े जिलों में उद्योग स्थापित हों, दिल्ली से जुड़े जिलों, जैसे ग्वालियर में उद्योग लगेंऔर पश्चिमी क्षेत्रों जैसे धार और झाबुआ में भी औद्योगिक विकास हो। तभी मध्यप्रदेश को अपने भौगोलिक लाभ का वास्तविक फायदा मिलेगा।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि इसी सोच के साथ यह आयोजन डॉ. मोहन यादव ने किया है। मैं उन्हें हृदय से बधाई देता हूँ कि उनकी क्षेत्रीय इन्वेस्टमेंट समिट ने मध्यप्रदेश के चहुँमुखी विकास की एक मजबूत नींव रखी है।

ट्रक में घुसी कार के परखच्चे उड़े...तीन दोस्तों की मौतः सांवलिया सेठ से दर्शन कर लौट रहे थे चारों, एमपी-राजस्थान बॉर्डर पर हादसा

न्यूज क्राइम फाइल

नीमच जिले के नयागांव के पास एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार सवार तीन दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथा गंभीर रूप से घायल है। हादसा गुरुवार रात करीब पौने 2 बजे मध्य प्रदेश-राजस्थान सीमा पर हुआ।

मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ निवासी चारों दोस्त सांवलिया सेठ के दर्शन कर आई-20 कार से लौट रहे थे। नयागांव बैरियर और फाटक के पास कार अचानक अनियंत्रित हो गई और आगे चल रहे ट्रक (ट्रॉले) के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

मृतकों की पहचान मल्हारगढ़ निवासी युवा व्यवसायी पिंकेश मांदलिया, उनके साथी भारत

मोरी (डांगी) और लसूड़िया कदमाला निवासी गोवर्धन लसूड़िया के रूप में हुई है, वहीं भैंसाखेड़ा निवासी राय सिंह पिता गोरा कछावा गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन से जुड़े थे पिंकेश

हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पिंकेश मांदलिया अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन के सक्रिय सदस्य थे। उनके निधन से मल्हारगढ़ नगर के व्यापारिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में शोक की लहर फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग अस्पताल और घटनास्थल पर पहुंच गए।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623